दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2019–20 दिनांक : 17.10.2019

प्रकाशनार्थ

प्लेसमेंट सेल व कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा कार्यशाला का आयोजन

आज दिनांक 17.10.2019 को महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल एवं कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में व्यक्तित्व विकास तथा निर्णय विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. स्निग्धा रानी मिश्रा, विभागाध्यक्ष मानव संसाधन प्रबन्ध विभाग, आई.टी.एम. मुम्बई ने सर्वप्रथम व्यक्तित्व क्या है विषय पर बोलते हुए कहा कि व्यक्तित्व मानव जीवन का वह हिस्सा है जिससे व्यक्ति की अलग पहचान होती है। और इसी से व्यक्ति का सही मूल्यांकन होता है। इसलिए हमें अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए सतत सजग रहना चाहिए। मनुष्य स्वभावतः सकारात्मक व नकारात्मक विचारों वाला होता है। अतः हमें नकारात्मक भावों से बचना चाहिए और अपने व्यक्तित्व को सकारात्मक भाव से परिपूर्ण रखना चाहिए। और यही जीवन का वह सार्थक पक्ष है जो हमारे विकास में सहायक होते हैं। उन्होने व्यक्तित्व के विकास के लिए छात्रों को अनेक प्रकार के सुझाव दिए, जैसे उन्होने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को एक अच्छा श्रोता होना चाहिए। बात व्यवहार में उसे पूरी तरह दक्ष होना चाहिए। क्योंकि दुनिया उसे ही सलाम करती है जो अपनी बात सबके सामने अच्छे रूप से प्रस्तुत करता है। अतः हर प्रकार के झिझक और संकोच से अपने आप को मुक्त रखना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति हो अपना मूल्यांकन और आत्मनिरीक्षण स्वतः करना वाहिए। सदा स्वविवेक से कार्य करने की आदत डालनी चाहिए। उन्होने यह भी कहा कि जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए एक सुनिश्चित योजना को बनाना चाहिए। किसी से बात करते समय अपनी शारीरिक भाषा तथा व्यवहार पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए। क्योंकि मनुष्य की पहचान उसके हाव–भाव व उसके व्यवहार से होती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये अनेक समस्याओं और प्रश्नों का उन्होने समुचित उत्तर भी दिया।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तरदायित्वपूर्ण कर्त्तव्यबोध, सच्ची श्रद्धा एवं निष्ठा व्यक्तित्व के विकास के प्रेरक तत्व हैं। इसमें परिवेश का भी प्रभाव पड़ता है। अतः व्यक्ति को सदा अचार, विचार तथा व्यवहार पर नियंत्रण रखना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पवन कुमार पाण्डेय तथा आभार ज्ञापन डॉ. संजय कुमार तिवारी ने किया। कार्यशाला में डॉ. निनेश शुक्ला, डॉ. प्रदीप कुमार, श्रीमती अनुराधा सिंह, डॉ. सुरज शुक्ला, डॉ. शैलेश सिंह सहित अनेक शिक्षक उपस्थित थे।

डॉ.(मुरली मनोहर तिवारी)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क